प्रकाशन तिथि : 15 दिसम्बर, 2024
प्रेषण तिथि : 19 दिसम्बर, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 19 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

संस्थापक श्री की पुण्यतिथि पर देश भर में दी श्रद्धांजलि

7 दिसंबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी की 45वीं पुण्यतिथि पर देशभर में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं व स्मृति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें समाजबंधुओं व स्वयंसेवकों ने अपने संघ के प्रणेता के प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की। जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर, माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी सहित जयपुर शहर के स्वयंसेवकों द्वारा पूज्य तनसिंह जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सहगीत व भजन गायन के द्वारा पूज्य श्री के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्ति की गई। पूज्य श्री तनसिंह जी की जन्मस्थली

बेरसियाला (जैसलमेर) में भी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बेरसियाला ने पूज्य श्री तनसिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें नमन किया। मदन सिंह बेरसियाला, हरिसिंह सुमेकातला, भेरुसिंह बेरसियाला, ईश्वर सिंह बेरसियाला सहित अनेकों ग्रामवासी कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं पूज्य तनसिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाड़मेर के मोक्षधाम में स्थित पूज्य श्री तनसिंह जी के स्मारक पर भी बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवकों ने सुबह 5:30 बजे पहुंच कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान वरिष्ठ स्वयंसेवक नरपत सिंह चिराणा व संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 7 दिसंबर को विनायका हाइट्स कम्युनिटी हॉल, गोडादरा (सूरत) में रात्रिकालीन भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दक्षिण गुजरात संभाग के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भजन गायक अगरसिंह छतागढ़, भंवरसिंह ऑडिट, राजूसिंह रोहड़ी, स्वरूपसिंह मुनाबाव ने अपनी प्रस्तुति दी। दक्षिण गुजरात संभाग प्रमुख खेतसिंह चांदेसरा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रसादी के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

खींवसर के संस्थापक राव करमसी की जयंती मनाई

करमसोत राठौड़ वंश के पितृ पुरुष एवं खींवसर के संस्थापक राव करमसी की जयंती 8 दिसंबर को खींवसर दुर्ग में समारोह पूर्वक मनाई गई। समारोह के दौरान मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के सहायक निदेशक डॉ. महेंद्र सिंह तंवर द्वारा लिखित पुस्तक 'करमसोतों का गौरवमयी इतिहास' का विमोचन भी किया गया। 12 वर्ष की अवधि में तैयार 950 पेज की इस पुस्तक में करमसोत राठौड़ वंश की 11 शाखाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद गजसिंह जोधपुर ने कहा कि राव करमसी जैसे महापुरुषों का इतिहास हमें प्रेरणा देकर हमारे लिए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। ऐसे गौरवशाली इतिहास के संकलन और प्रकाशन का कार्य निरंतर होते रहना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ियों को अपने सही इतिहास की जानकारी मिल सके। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

मुंजासर में समारोहपूर्वक मनाई राव रूपाजी की जयंती

रूपावत राठौड़ वंश के पितृ पुरुष राव रूपाजी राठौड़ की 601वीं जयंती मुंजासर गांव में 8 दिसंबर को समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर राव रूपाजी की अष्टधातु से निर्मित अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम में रूपावत परगना के 90 गांवों के अतिरिक्त देश-प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर निवास करने वाले रूपावत बंधु भी शामिल हुए। पोकरण विधायक प्रताप पुरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवा अपनी मातृ संस्कृति एवं पूर्वजों से प्राप्त संस्कारों से विमुख हो रहे हैं जो देश और समाज के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में रूपाजी जैसे महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित करने से उनके इतिहास को युवाओं तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। अपने गौरवशाली इतिहास की सही जानकारी युवाओं में राष्ट्र और समाज के हित में जीवन

जीने की प्रेरणा पैदा करेगी। उन्होंने युवाओं से श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़कर क्षत्रियोचित संस्कारों को अर्जित करने की बात कही। कार्यक्रम को समताराम महाराज (पुष्कर), सोमेश्वर गिरी महाराज (बिजोलिया), स्वामी अचलानंद महाराज (जोधपुर), सत्यम गिरी महाराज (कोटेश्वर धाम), भीमगिरी महाराज (हल्देश्वर धाम) आदि ने भी संबोधित किया और महापुरुषों के जीवन से शिक्षा लेकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने, सामाजिक सद्भावना को बनाए रखने, समाज और राष्ट्र की सेवा करने की बातें कही। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया जिसमें मूर्ति स्थापना के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन उपलब्ध करने वाले हिम्मत सिंह मुंजासर एवं अन्य सहयोगकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

संस्थापक श्री की पुण्यतिथि पर देश भर में दी श्रद्धांजलि

बाड़मेर

बेरसियाला

काणेटी

(पेज एक से लगातार)

पुण्यतिथि के अवसर पर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के क्षत्रिय विद्यार्थियों ने कावेरी हॉस्टल में कार्यक्रम आयोजित कर पूज्य तनसिंह जी की सामाजिकता और ध्येयनिष्ठा का स्मरण किया तथा उनके द्वारा प्रदत्त पथ श्री क्षत्रिय युवक संघ से अधिकाधिक समाजबंधुओं को जोड़ने तथा संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली द्वारा प्रशिक्षित होने का निवेदन किया। साथ ही, विभिन्न सामाजिक मुद्दों और संघ साहित्य पर नियमित विमर्श हेतु एक स्टडी सर्किल की शुरूआत करने तथा आगामी गतिविधियों के लिए कार्ययोजना भी बनाई गई। चित्तौड़गढ़ प्रांत में निंबाहेड़ा स्थित राजपूत छात्रावास परिसर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें उपस्थित सभी बंधुओ ने पू. तनसिंह जी के छवि चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने पू. तनसिंह जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला साथ ही प्रांत में लगने वाले आगामी शिविरों की जानकारी दी। आर.ए.एस. अधिकारी दिलीप सिंह ने समाज में शिक्षा व रोजगार को लेकर जागरूकता लाने की बात कही। शंभू सिंह (एस.एम. रेलवे) ने संघ के शिविर संबंधी अपने अनुभव साझा किए। वरिष्ठ अधिवक्ता नारायण सिंह झाड़ोली, जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह बड़ोली, सरपंच राजेंद्र सिंह मिणाणा, सीधा सवाल अखबार के संपादक मानवेंद्र सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे और पूज्य तनसिंह जी द्वारा बताए मार्ग पर चलने की बात कही। कार्यक्रम समाप्ति के बाद संघशक्ति, पथप्रेरक के सदस्य बनाए गए तथा संघ साहित्य व केसरिया पताकाओं का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट लक्ष्मण सिंह बड़ोली ने किया। बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में भी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें बाड़मेर संभाग के स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

जैसलमेर के तेजमालता गांव में भगवती शाखा द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा रखी गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने उपस्थित स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं से कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने भगवान श्री कृष्ण की गीता के आधार पर ही संघ का दर्शन दिया है। पूज्य श्री ने हमें जो श्रेष्ठ मार्ग बताया है उस पर चलकर हम भी श्रेष्ठ बनें। वरिष्ठ स्वयंसेवक सावल सिंह मोढ़ा, वैण सिंह तेजमालता सहित भगवती मरु बाल निकेतन तेजमालता के छात्र भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जैसलमेर शहर स्थित संभागीय कार्यालय तनाश्रम में भी पूज्य श्री तनसिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख महिपाल सिंह तेजमालता सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जैसलमेर जिले के चौक गांव में रूपादे शाखा एवं नागाणाराय शाखा में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। राजपूत छात्रावास रामगढ़ और भाग्यम हॉस्टल पोकरण में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। पोकरण में वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। श्री देगराय बालिका शाखा बडोड़ा गांव में भी कार्यक्रम रखा गया। चौहटन स्थित श्री भवानी क्षत्रिय बोर्डिंग हाऊस में भी पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। वरिष्ठ स्वयंसेवक कृष्ण सिंह गोहड़ का तला ने उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर हम हमारे जीवन को श्रेष्ठ बनाएं यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे जीवन को अनुशासित व संयमित बनाने के लिए प्रयास कर रहा है क्योंकि अनुशासित जीवन ही श्रेष्ठ जीवन होता है। इस अवसर पर मण्डल प्रमुख महेन्द्र सिंह चौहटन, गेन सिंह इंद्रोई सहित 112 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। श्री भूपाल छात्रावास शाखा, गंगासरा में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें उपस्थित स्वयंसेवकों ने पूज्य श्री को पुष्पांजलि अर्पित की। शाखा प्रमुख मोहन सिंह गंगासरा ने पूज्य श्री का जीवन परिचय दिया। मंडल प्रमुख वीर सिंह गंगासरा ने संघदर्शन को जीवन में उतारने में शाखा के महत्व को बताया। बालोतरा संभाग में कल्याणपुर में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें वीरम सिंह थोब ने बताया कि पूज्य श्री तनसिंह ने अपने जीवन को समाज एवं राष्ट्र को समर्पित किया जिसके कारण ही आज भी हम उनको याद कर रहे हैं। कार्यक्रम में अनेक सहयोगी उपस्थित रहे। बालोतरा स्थित वीर दुर्गादास राजपूत बोर्डिंग हाउस में भी पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसका संचालन बलवंत सिंह कोटड़ी ने किया। छात्र सुमेर सिंह सवाऊ, अर्जुन सिंह कुंडल ने तनसिंह जी के जीवन के बारे में बताया और उनके बताए हुए दर्शन का अनुसरण करने की बात कही। सभी छात्रों ने तनसिंह जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। बालोतरा संभाग में कानोड, मदासर और कांखी में भी शाखा स्तर पर कार्यक्रम आयोजित हुए। मां भगवती बोर्डिंग हाउस गढ़ सिवाना में भी कार्यक्रम रखा गया। उदयपुर में बीएन महाविद्यालय में भी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 8 दिसंबर को कार्यक्रम रखा गया जिसमें संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के अवानियां गांव में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने पूज्य श्री व संघ का परिचय दिया और कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने संघ के रूप में हमें व्यष्टि से समष्टि और समष्टि से परमेष्टि तक पहुंचने का मार्ग बताया है। इस मार्ग पर चलते हुए हम अपने लौकिक एवं पारलौकिक सभी उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। वरिष्ठ स्वयंसेवक मंगल सिंह धोलेरा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत के काणेटी गांव में स्थित श्री रामजी मंदिर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूज्य श्री को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज हित में अपना योगदान देने की बात कही गई। बनासकांठा प्रांत के थराद शहर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डूंगरसिंह रामसन ने पूज्य श्री का जीवन परिचय प्रस्तुत किया और थानसिंह लोरवाडा ने बनासकांठा में संघकार्य के प्रारंभ से लेकर अब तक की यात्रा की जानकारी दी। मुंबई के भायंदर में भी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कार्यक्रम रखा गया जिसमें संभाग प्रमुख रणजीत सिंह आलासन ने पूज्य श्री तनसिंह जी का जीवन परिचय दिया। उपस्थित समाजबंधुओं ने पूज्य श्री की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दक्षिण मुंबई मंडल की तनेराज शाखा में भी समाजबंधुओ ने अपने प्रणेता और युगद्रष्टा पूज्य श्री तनसिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए शाखा स्थल गिरगांव चौपाटी पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम में हड़मत सिंह भाटकी ने श्रद्धेय नारायण सिंह जी रेडा द्वारा लिखित 'मां के मुख से' आलेख का पठन किया जिसमें पूज्य श्री और उनके माताजी मोती कंवर जी के जीवन के संघर्षों और भावों को दर्शाया गया। राम सिंह लेसुआ ने पथप्रेरक के अंश 'प्रणेता से प्रेरणा' का पठन किया। वागसिंह लोहिड़ी ने आगामी 22 दिसंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में आयोजित होने वाले संघ के स्थापना दिवस की जानकारी दी। प्रान्त प्रमुख देवीसिंह झलोड़ा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र सिंह धीरा ने किया। हैदराबाद स्थित ईसबलीबन गार्डन में भी 8 दिसंबर को पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में शाखा स्तर पर कार्यक्रम रखा गया जिसमें कालू सिंह सुराणा, नैन सिंह सवराटा, आरुषि कंवर रायरा कला ने अपने विचार रखते हुए पूज्य तनसिंह जी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही और निरंतर शाखा से जुड़े रहने का संदेश दिया। बाबू सिंह तुरा व महेंद्र सिंह नोसर ने कार्यक्रम का संचालन किया। गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के अवानियां एवं गुदी गांव की मातृशक्ति शाखाओं में भी कार्यक्रम आयोजित कर पूज्य श्री तनसिंह जी को श्रद्धांजलि दी गई। कच्छ क्षेत्र के गुंदाला गांव में भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें छत्रपाल सिंह उरूमाना ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य श्री तनसिंह जी का परिचय दिया। इस अवसर पर गांव में संघ की साप्ताहिक शाखा शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। गुजरात के शिहोर और मोरचंद गांव में, महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ (पुणे) में व बाड़मेर के मिठड़ी गांव में भी कार्यक्रम हुए। नागौर संभाग में कुचामन सिटी स्थित संभागीय कार्यालय आयुवान निकेतन में भी कार्यक्रम रखा गया। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भगवत सिंह सिंघाणा ने कहा कि महापुरुष अपने कर्मों के द्वारा विभिन्न संकेत प्रदान करते हैं, जिन्हें समझकर पीछे चलने वाले भी कर्मशील होते हैं। (शेष पृष्ठ 7 पर)

खिमेल

कुचामन सिटी

सभी को साथ लेकर चलना ही क्षत्रिय का धर्म: गजसिंह

(बालाजी नगर, जैतियावास में सम्राट विक्रमादित्य की मूर्ति का अनावरण)

सभी को साथ लेकर चलना और सबकी रक्षा करना ही क्षत्रिय धर्म है। हमारे पूर्वजों ने ऐसा करके ही सभी का सम्मान और विश्वास जीता था। यदि हम अपने इस धर्म का पालन करेंगे तभी हम मजबूत बनेंगे। इसलिए सम्राट विक्रमादित्य जैसे अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेकर क्षत्रिय धर्म का पालन करें। उपर्युक्त बात जोधपुर जिले की बावड़ी तहसील में बालाजी नगर (जैतियावास) में आयोजित चक्रवर्ती सम्राट वीर विक्रमादित्य परमार की मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद महाराजा गजसिंह जोधपुर ने कही। उन्होंने कहा कि वीर विक्रमादित्य जैसे चक्रवर्ती सम्राट की मूर्ति के अनावरण का यह अवसर हम सभी को गौरवान्वित करने वाला है। आप सभी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने ऐसे महानायक की प्रतिमा यहां पर स्थापित की है। इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए जिससे हम आपस में जुड़े रहें। 6 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य को इतनी सदियां बीत जाने के बाद भी हम आज याद कर रहे हैं तो इसका एक ही कारण है कि उन्होंने अपने कर्तव्य का पालन किया। कर्तव्य को ही शास्त्रों में धर्म कहा गया है। हमारी सभी समस्याओं का कारण यही है कि हम अपने कर्तव्य का पालन नहीं कर रहे हैं और उन समस्याओं का समाधान यही है कि हम अपने कर्तव्य का पालन करना प्रारंभ कर दें। शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने कहा कि वीर विक्रमादित्य ने न केवल मालवा को ही शकों के अधिकार से मुक्त करवाया बल्कि उन्होंने पूरे उत्तर भारत में अपना राज्य विस्तारित किया। भारत सहित नेपाल आदि क्षेत्रों में भी सनातन धर्म की रक्षा विक्रमादित्य ने ही अपने शौर्य और पराक्रम से की। ऐसे वीर के प्रति हम सभी को कृतज्ञ होना चाहिए। सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल ने कहा कि हम सभी एक हैं, इस भाव के साथ हमको एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। महेंद्र सिंह उम्मेदनगर ने कहा कि यदि हम अपने महापुरुषों को इसी प्रकार महत्व प्रदान करेंगे, उन्हें याद करेंगे तो अन्य लोग उन पर कब्जा नहीं जमा सकेंगे। दूधेश्वर महंत नारायण गिरी महाराज, सत्यम गिरी महाराज कोटेश्वर धाम, रूपदास महाराज पंडित जी ढाणी के सानिध्य में आयोजित अनावरण समारोह में मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा, लूणी के पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। आयोजन समिति के संयोजक गणपत सिंह परमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के जोधपुर संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक, महाराजा गज सिंह शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष गोपाल सिंह भलासरिया, के वी सिंह चांदरख, प्रभु सिंह, ओम सिंह बालाजी नगर सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति एवं आसपास के अनेकों गांवों से परमार वंशी राजपूत उपस्थित रहे।

सागर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना को लेकर सौंपा ज्ञापन

मध्य प्रदेश के सागर जिले में 10 दिसंबर को क्षत्रिय समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा की शीघ्र स्थापना की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। सागर जिला क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि भारत व क्षत्रिय समाज के गौरव महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा सागर नगर में स्थापित हो, इसके लिए तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने एक करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की थी। यह राशि सागर नगर निगम को प्राप्त भी हो चुकी है और प्रतिमा स्थापना का स्थान भी निर्धारित हो चुका है। फिर भी प्रशासन की लापरवाही के चलते काफी समय से प्रतिमा स्थापना का कार्य लंबित पड़ा है जिससे समाज में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में जिलाधिकारी से मांग की गई कि प्रतिमा स्थापना के विषय को गंभीरता से लेकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्रतिमा स्थापना हेतु निर्देशित करें। इससे पूर्व जिले की सभी तहसीलों के विभिन्न ग्रामों से क्षत्रिय समाज के लोग खेल परिसर के सामने एकत्रित हुए और फिर रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस अवसर पर पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह, क्षत्रिय महासभा जिला अध्यक्ष लखन सिंह बामोरा, राजेन्द्र सिंह मोकलपुर, शेर सिंह सिमरघान, वीनू राणा, अनिल सिंह पडरई, राजेन्द्र सिंह दरी, भूपत सिंह सेमरा दौलत, शिवराज सिंह बड़े छापरी, जयंत सिंह बुंदेला, राजकुमार सिंह ढाना, एडवोकेट जितेन्द्र सिंह गंभीरिया, चन्द्रप्रताप सिंह ईसरवारा, राजेन्द्र सिंह गंभीरिया, गोविंद सिंह टड़ा, मंगल सिंह दादा बंडा सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

राजपूत सभा पठानकोट का 37वाँ वार्षिक समारोह

पंजाब के पठानकोट शहर में स्थित जी एस गार्डन में राजपूत सभा पठानकोट का 37वाँ वार्षिक समारोह 1 दिसंबर को सभाध्यक्ष कर्नल आर एस सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस समारोह में हरियाणा राजपूत सभा के संरक्षक ठाकुर अनूप सिंह व अध्यक्ष राव नरेश चौहान सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु शामिल हुए। राजपूत सभा पठानकोट के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा पंजाब, अमर क्षत्रिय राजपूत सभा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की विभिन्न राजपूत संस्थाओं के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने संगठित रहकर समाज हित में कार्य करने की बात कही और विभिन्न संस्थाओं में आपसी समन्वय को बढ़ाने के लिए निरंतर संवाद और संपर्क की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया। मंच संचालन कर्नल आर के सलारिया द्वारा किया गया।

सभी के लिए प्रेरणादायी है रूपादे और मल्लीनाथ जी का जीवन चरित्र

(श्री राणी रूपादे मंदिर जी पालिया का सातवां पाटोत्सव समारोह संपन्न)

राणी रूपादे जी और रावल मल्लीनाथ जी का जीवन चरित्र हर किसी के लिए प्रेरणादायक और कल्याणकारी है। उनके बताए मार्ग पर चलकर मनुष्य न केवल उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकता है, बल्कि मोक्ष की प्राप्ति भी कर सकता है। ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से हमें भी त्यागपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उपर्युक्त बात श्री रावल मल्लीनाथ व श्री राणी रूपादे संस्थान, तिलवाड़ा के अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल ने बालोतरा जिले के तिलवाड़ा में स्थित श्री राणी रूपादे जी मंदिर (पालिया) के सातवें वार्षिक पाटोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ये भूमि वीर योद्धाओं व महान तपस्वी संतों की है। राणी रूपादे जी व रावल मल्लीनाथ जी ने अपने जीवन काल में जिस विचारधारा का प्रसार किया, उसका हर वर्ग, सम्प्रदाय व जाति के लोगों ने अनुसरण किया। हमें भी उनके दिखाए गए मार्ग पर चलना है और इस भूमि के गौरव को बढ़ाना है। 5-6 दिसंबर को गोपाल राम जी महाराज (गढ़ सिवाना) के सान्निध्य में संपन्न कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तगण उपस्थित रहे। मंदिर संस्थान के सचिव सुमेरसिंह वरिया ने बताया कि हवन पूजन से प्रारंभ पाटोत्सव में पुष्कर से आए नगाड़ा कलाकारों और मालाणी सांस्कृतिक कला केंद्र जसोल के गैर नृत्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। किशन सिंह जसोल द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान का कार्यक्रम भी हुआ जिसमें आरएएस-2021 परीक्षा में चयनित प्रतिभाओं के साथ-साथ बास्केटबॉल, हैंडबॉल और हॉकी में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित एवं पदक विजेताओं का सम्मान भी किया गया। मंच संचालन दीपसिंह रणधा द्वारा किया गया। संस्थान अध्यक्ष द्वारा पालिया परिसर में स्थित श्री गोगाजी मंदिर (मणिधारी नाग देवता), श्री शिव मंदिर, श्री नागणेच्या माता मंदिर और मालाजाल परिसर में स्थित श्री रावल मल्लीनाथ जी मंदिर, दक्षिण मुखी प्राचीन श्री हनुमान जी मंदिर और श्री जोगमाया मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा भी की गई जिसके लिए उपस्थित भक्तजनों से भी भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम के रात्रि कालीन सत्र में श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल द्वारा भव्य रात्रि जागरण का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायकों कालूसिंह गंगासरा और रणवीरसिंह राठौड़ ने रावल मल्लीनाथ और राणी रूपादे के जीवन चरित्र पर आधारित भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन संध्या के दौरान आयोजित मध्य रात्रि आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भक्तगण और मंदिर संस्थान के समिति सदस्यगण उपस्थित रहे। समारोह के दौरान डिंगल रसावल यूट्यूब चैनल द्वारा रचित रावल मल्लीनाथ जी के चार महायुद्धों का वर्णन भी एलईडी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

संपादकीय

‘कर्मठता से होगा धारणाओं का परिष्करण’

धारणाएं बनाना मनुष्य का सहज स्वभाव है। अपनी जानकारी और अपने अनुभवों के आधार पर हम सभी जीवन के विभिन्न पक्षों को लेकर अपनी धारणाएं बनाते हैं और उन्हीं धारणाओं के आधार पर हमारा व्यवहार भी निर्धारित होता है। धारणाएं ही हमारे दृष्टिकोण का निर्माण करती हैं और उन दृष्टिकोणों के आधार पर ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हम निर्णय लिया करते हैं। धारणाएं चूंकि विषयनिष्ठ और सापेक्ष होती हैं, इसीलिए वे समय के साथ परिष्कृत और परिवर्तित भी होती रहती हैं, लेकिन क्योंकि हमारे व्यक्तित्व की निर्माता भी हमारी धारणाएं ही होती हैं इसीलिए उन धारणाओं को सरलता से बदलने की अपेक्षा उन्हें बनाए रखने, उनकी रक्षा करने का प्रयत्न भी हम करते ही हैं। जब कभी किसी अन्य सत्ता या शक्ति के सामने हमारा व्यक्तित्व किसी न किसी रूप में नतमस्तक होता है, उसे अपने से बड़ा स्वीकार करता है तभी उस सत्ता या शक्ति को हम अपनी धारणाओं को परिवर्तित करने का अधिकार देते हैं। सैद्धांतिक रूप में भले ही शुद्ध और निरपेक्ष सत्य को ही सभी के द्वारा प्रतिष्ठित किया जाता हो किंतु व्यावहारिक रूप में हमारी धारणाएं ही हमारा वैयक्तिक सत्य होती हैं। शुद्ध और निरपेक्ष सत्य को भी सामान्यतया हम अपने इस वैयक्तिक सत्य के सांचे में ही ढालकर ग्रहण करने का प्रयत्न करते हैं।

चूंकि समाज भी व्यक्तियों से ही निर्मित होता है अतः यह बात सामाजिक क्षेत्र में भी इसी रूप में लागू होती है। इसलिए समाज जागरण के उद्देश्य को लेकर चलने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं को इस तथ्य को समझकर कार्य करना आवश्यक है अन्यथा मार्ग में आलोचनाओं, विरोधों अथवा प्रतिकूल परिस्थितियों के आने पर वे निराशा और निष्क्रियता से स्वयं को बचा नहीं पाएंगे। सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते समय ऐसे व्यक्तियों एवं संस्थाओं के प्रति भी समाज के विभिन्न समूहों अथवा अंशों में विभिन्न प्रकार की धारणाएं विकसित होती हैं। सामान्यतया ये धारणाएं उनके अपने सीमित अनुभवों एवं जानकारियों के आधार पर निर्मित होती हैं और इन धारणाओं के आधार पर ही वे उक्त व्यक्तियों अथवा संस्थाओं के प्रति अपना निर्णय लिया करते हैं। इस कारण अनेक बार सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों अथवा संस्थाओं के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के प्रति एकपक्षीय या भ्रमपूर्ण धारणाएं निर्मित हो जाया करती हैं। इसी प्रकार की धारणाओं से प्रेरित होकर ऐसी बातें कही जाती हैं कि यदि कोई संस्था सामाजिक कार्य कर रही है तो उसे राजनीति और राजनेताओं से दूर रहना चाहिए। यदि कोई संस्था संस्कृति और परंपरा की बात करती है तो उसे आधुनिकता और जमाने के प्रवाह को पूर्णतया अनदेखा कर देना चाहिए। यदि कोई संस्था व्यक्ति निर्माण के उद्देश्य को लेकर चल रही है तो वृहद स्तर पर समाज और राष्ट्र को प्रभावित करने वाली सत्ता की शक्ति से निरपेक्ष रहना चाहिए। यदि कोई संस्था अध्यात्म को महत्त्व देती है तो भौतिक उन्नति में उसकी भूमिका नहीं हो सकती। इसी प्रकार की अन्य कई धारणाएं सामाजिक संस्थाओं के कार्यों को लेकर निर्मित हो जाती हैं जिनके कारण समाज जागरण, जो कि वास्तव में लोकसंग्रह का कार्य है, करने वाले कार्यकर्ता या संस्था के सामने दुविधा उत्पन्न हो सकती है कि उसे लोक मान्यताओं और धारणाओं के अनुसार आचरण करना चाहिए अथवा जो आवश्यक और परिणामकारी है, वह कर्म करना चाहिए।

यहीं पर समाज जागरण अथवा लोकसंग्रह के कार्यकर्ता की वास्तविक परीक्षा होती है। समाज को जागृत करने के लिए जिस शुद्ध और निरपेक्ष सत्य को स्थापित करने का प्रयत्न कार्यकर्ता द्वारा किया जा रहा है उसे समाज के सामान्य व्यक्तियों के वैयक्तिक सत्य के अनुकूल भी बनाना होगा तभी समाज द्वारा उसे सरलता से ग्रहण किया जा सकेगा। ऐसा करना तभी संभव होगा जब वह कार्यकर्त्ता अथवा संस्था समाज के भीतर रहकर समाज को प्रभावित करने वाले प्रत्येक कर्म में सक्रिय रूप से भागीदार बने और उस कर्म को करने में ही अपने सत्य को प्रतिष्ठित करके दिखाए। क्योंकि अंततः कर्म का बाह्य स्वरूप नहीं बल्कि कर्म करने वाले का भाव, उद्देश्य और चेतना का स्तर ही कर्म के परिणाम को निर्धारित करता है। गीता के तीसरे अध्याय के पच्चीसवें श्लोक में भी इसीलिए कहा गया है कि - 'सक्ताः कर्मण्यविद्वांसो यथा कुर्वन्ति भारत। कुर्याद्विद्वांस्तथासक्तश्च कीर्षुर्लोकसंग्रहम्।' अर्थात् कर्म में आसक्त हुए अज्ञानी जन जैसे कर्म करते हैं, वैसे ही अनासक्त हुआ विद्वान भी लोकसंग्रह को चाहता हुआ कर्म करे। पूज्य तनसिंह जी ने भी साधक की समस्याएं पुस्तक में लिखा है कि - 'कर्म संसार का सबसे बड़ा भ्रम है लेकिन इस भ्रम का छेदन कर्म से ही होता है।' इसलिए समाज जागरण का उद्देश्य लेकर चलने वालों को समाज के भीतर रहकर कर्मशील बनना होता है और अपनी कर्मठता से सामाजिक धारणाओं को परिष्कृत करते हुए उनके भीतर शुद्ध और निरपेक्ष सत्य को प्रतिष्ठित करना होता है। उनके लिए सामाजिक जीवन का कोई भी पक्ष अस्पृश्य नहीं हो सकता चाहे वह राजनीति हो, भौतिक प्रगति हो, सत्ता व शक्ति हो अथवा संस्कृति और अध्यात्म हो। पूज्य तनसिंह जी ने स्वयं इस प्रकार का जीवन जीकर हमारे सामने आदर्श स्थापित किया। वे राजनीतिज्ञ, व्यापारी, कृषक, लेखक, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघ प्रमुख जैसी अनेकों भूमिकाओं में समाज में सक्रिय रहे और प्रत्येक भूमिका में उसी सत्य को समाज में प्रतिष्ठित किया जो गीता में भगवान कृष्ण ने उदघोषित किया, जिसका उपनिषदों में प्रतिपादन हुआ है और जिसने आदिकाल से भारत और भारतीयता को अनुप्राणित किया है। पूज्य तनसिंह जी द्वारा स्थापित श्री क्षत्रिय युवक संघ भी उसी सत्य को धारण करके समाज में कर्मरत है और संगठन के माध्यम से अपनी क्षमता को निरंतर बढ़ाते हुए सामाजिक जीवन के प्रत्येक पक्ष में इस सत्य को प्रतिष्ठित करने के लिए प्रयत्नशील है।

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा भिवानी व चरखी दादरी का 24वां वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 30 नवंबर को रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला में आयोजित हुआ। समारोह में शिक्षा, खेल व सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 500 युवाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभाएं समाज में सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत होती हैं। प्रतिभाशाली युवा अपने ज्ञान, कौशल, मेहनत और समर्पण के बल पर न केवल अपनी पहचान बनाते हैं, बल्कि दूसरों को भी श्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित करते हैं। उनकी सफलता अन्यों में भी विश्वास पैदा करती है। इसलिए प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक हैं। विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि देश और समाज का भविष्य उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों पर ही निर्भर करता है जो समाज को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाने में अहम योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की धुरी है इसलिए अपने बच्चों को श्रेष्ठ शिक्षा उपलब्ध कराएं और उन्हें लगातार प्रेरित करते रहें। कार्यक्रम में जयसिंह परमार, श्याम सिंह, आरपी सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस), जिला अध्यक्ष सतीश परमार, शशी परमार, विक्रम सिंह, लाल सिंह, अजीत सिंह, नरेश तंवर, मीना परमार, अधिवक्ता चंद्रपाल चौहान, पार्षद संजय, कंवरपाल सिंह चांग, ब्रिजपाल बौंद, यशपाल परमार सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मंच संचालन हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष ओमबीर सिंह तंवर ने किया।

उत्तर गुजरात संभाग की समीक्षा व कार्ययोजना बैठक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के उत्तर गुजरात संभाग की संभागीय बैठक 1 दिसंबर को पाटन शहर में स्थित दानसिंह जी सत्यार्थी राजपूत छात्रावास में आयोजित हुई। बैठक में पिछली संभागीय बैठक से लेकर अब तक संभाग में हुए संघ कार्य की समीक्षा की गई, साथ ही 22 दिसंबर को प्रत्येक प्रांत में संघ स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाने का निर्णय किया गया। शाखा वर्ष के निमित्त संभाग में अधिक से अधिक शाखाएं प्रारंभ हो इसके लिए संपर्क यात्रा के आयोजन का भी निर्णय लिया गया। संभाग प्रमुख वनराज सिंह भेसाणा एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक विक्रम सिंह कमाणा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

जसोल धाम में हुआ धर्मशाला का लोकार्पण

बालोतरा जिले में स्थित जसोल धाम में श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान द्वारा संचालित धर्मशाला का लोकार्पण 11 दिसंबर को समारोह पूर्वक किया गया। जोधपुर के पूर्व नरेश व पूर्व राज्यसभा सांसद गज सिंह ने धर्मशाला का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह धर्मशाला यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधा को बढ़ाएगी। इसका निर्माण जसोल धाम में दर्शन के लिए आने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण कदम है। मंदिर संस्थान के अध्यक्ष किशन सिंह जसोल ने सभी का आभार जताया और बताया कि जल्दी ही यहां प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भी आयोजित किया जाएगा। हरिश्चंद्र सिंह जसोल और कीर्ति सिंह जयपुर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और धर्मशाला के निर्माण और जसोल धाम के अन्य विकास कार्यों से सम्बंधित जानकारी दी। इस अवसर पर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा के तुलछाराम महाराज, गढ़ सिवाना के नृत्य गोपाल राम महाराज, साध्वी मां पूर्णप्रज्ञा, बिजोलाई के सोमेश्वर गिरी महाराज, जोधपुर के अचलानंद गिरी सहित अनेकों साधु-संत भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान धर्मशाला के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में करौली के कृष्ण पाल सिंह, बाड़मेर के त्रिभुवन सिंह, पूर्व न्यायाधीश रघुवेंद्र सिंह राठौड़, कलेक्टर सुशील कुमार यादव, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, मेघराज सिंह रॉयल सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अमराव सिंह सोलंकी बने निजी विद्यालय संघ केकड़ी के अध्यक्ष

केकड़ी के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित निजी विद्यालयों के संचालकों की बैठक 1 दिसंबर को केकड़ी में आयोजित हुई। बैठक में केकड़ी निजी विद्यालय संघ का गठन किया गया एवं केकड़ी निवासी अमराव सिंह सोलंकी को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया। सोलंकी ने बैठक में उपस्थित विद्यालय संचालकों से कहा कि वह सभी निजी विद्यालयों के हित में सबके साथ मिलकर कार्य करेंगे, जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिले एवं श्रेष्ठ शिक्षा प्राप्त हो। बैठक में भवानी सिंह शक्तावत, दुर्गा सिंह यादव, महेंद्र सिंह राठौड़, संदीप पाठक, जय किशन कहार, भारत भूषण दाधीच, प्रमिला जैन, मीनाक्षी मार्टिन सहित अनेकों विद्यालय संचालक एवं प्रबंधक उपस्थित रहे। अमराव सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के सहयोगी हैं एवं उन्होंने संघ के शिविर भी कर रखे हैं।

रानी (पाली) में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्य विस्तार बैठक

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की रानी तहसील की बैठक 29 नवंबर को रानी किला परिसर में स्थित श्री चामुण्डा माता मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में संघ के रानी मंडल प्रभारी हीर सिंह लोड़ता ने संघ के शिविर एवं शाखाओं के आयोजन संबंधी चर्चा की एवं अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज ने फाउंडेशन की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। इस दौरान किशोर सिंह ओडवाडिया, महिपाल सिंह खूनीगुड़ा, गोविंद सिंह छोटी रानी, ओ पी सिंह रेडाणा, महेंद्र सिंह खुड़ियाला, छैल सिंह पीपाड़ा, पुष्पेंद्र सिंह इंद्रोका आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

राजेन्द्र सिंह नारादरा को रजत पदक

मुंबई में नर्मदा किडनी फाउंडेशन (एनकेएफ) के तत्वाधान में आयोजित 17वें नेशनल ट्रांसप्लांट खेलों में सिरोही जिले के नारादरा गांव के निवासी राजेंद्र सिंह देवड़ा ने एथलेटिक्स में रजत पदक जीता है। 1 दिसंबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में देश भर से आए 500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नारादरा में शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे राजेंद्र सिंह अंगदान जागरूकता के लिए भी कार्य कर रहे हैं और अब तक पांच लोगों को प्रेरित कर अंगदान करवा चुके हैं। राजेन्द्र सिंह वर्ष 2025 में आयोजित होने वाले वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में भी हिस्सा लेंगे।

सत्येंद्र सिंह राठौड़ बने पारिवारिक न्यायालय बार एसो. के महासचिव

पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर के वार्षिक चुनाव में सत्येंद्र सिंह राठौड़ को महासचिव के पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। संगठन के 2024-25 की कार्यकारिणी के चुनाव 12 दिसंबर को संपन्न हुए जिसमें विष्णु शर्मा को अध्यक्ष एवं डी एस शेखावत व कुलदीप शर्मा को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	25.12.2024 से 28.12.2024 तक	रानियावास, नायला - आगरा रोड, जयपुर **संपर्क सूत्र** - राजवीर सिंह नायला, राजेन्द्र सिंह रानियावास
02.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	आदर्श स्कूल, देचू (जोधपुर संभाग)
03.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	आदर्श महाविद्यालय, देऊ फांटा, नागौर फलोदी रोड पर स्थित (नागौर से प्रत्येक घंटे कृषि मंडी से बस उपलब्ध है। खींवसर से सीधी बसे हैं, नोखा से आने वाले पांचौड़ी उतरकर पहुँच सकते हैं। जोधपुर से आने वाले खींवसर या नागौर उतरकर पहुँच सकते हैं। ओसिया, बापिनी, फलोदी, लोहावट, जैसलमेर से भी सीधी बसें हैं। बीकानेर से आने वाले गोगेलाव या नागौर उतर कर पहुंच सकते हैं। शेखावाटी, जयपुर, डीडवाना, लाडनू, कुचामन, मेड़ता, डेगाना वाले नागौर उतर कर कृषि मंडी से बस पकड़ें। **संपर्क सूत्रः** ओंकार सिंह देऊ - 9828580440, विक्रम सिंह देऊ - 8769014184
04.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	मारूड़ी (बाड़मेर)।
05.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	रायसर (बीकानेर)।
06.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	बेरसियाला (जैसलमेर)।
07.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	26.12.2024 से 29.12.2024 तक	जयमलकोट (पुष्कर)।
08.	प्रा.प्र.शि.	27.12.2024 से 30.12.2024 तक	भगतपुरा (खुड़ के पास), सीकर।
09.	मा.प्र.शि.	30.12.2024 से 05.01.2025 तक	राजपूत समाज धर्मशाला, रामदेव मंदिर परिसर, कचनारा (नाहरगढ़), जिला-मंदसौर, मध्यप्रदेश (मंदसौर से नाहरगढ़-रुपणी-बिशनिया जाने वाली सड़क पर रामदेव मंदिर कचनारा पर उतरें)
10.	प्रा.प्र.शि.	30.12.2024 से 02.01.2025 तक	राजपूत धर्मशाला, महिदपुर, उज्जैन।
11.	मा.प्र.शि.	11.01.2025 से 15.01.2025 तक	हैदराबाद (तेलंगाना)।

नोट - माध्यमिक शिविर में कम से कम दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर किए हुए स्वयंसेवक ही भाग ले सकेंगे।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

बोडिंद कलां में मनाई राव कूंपा जी की 522वीं जयंती

गिरी सुमेल युद्ध के नायक राव कूंपा जी मेहराजोत की 522वीं जयंती जायल क्षेत्र के बोडिंद गांव में 12 दिसम्बर को श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में मनाई गई। कार्यक्रम में हनुमान सिंह बोडिंद ने राव कूंपा जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारे लिए यह गौरव की बात है कि हम गिरी सुमेल युद्ध के महानायक राव कूंपा जी के वंशज हैं। कूंपा जी ने अपने जीवन में जितने भी युद्ध लड़े, उन सभी युद्धों में वे अजेय रहे। उन्होंने राव मालदेव के नेतृत्व में जोधपुर से लेकर मेड़ता, छोटी खाटू, डीडवाना होते हुए नारनौल तक राठौड़ सत्ता की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गिरी सुमेल का युद्ध उनका अंतिम युद्ध था जिसमें उन्होंने अद्भुत रणकौशल और पराक्रम का परिचय दिया जिससे प्रभावित होकर शेरशाह सूरी को यह कहना पड़ा कि मैं मुठी भर बाजरे के लिए दिल्ली की सल्तनत खो देता। कार्यक्रम को रूघवीर सिंह चौमूं, श्याम सिंह छापड़ा, हुकुम सिंह राजोद ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के डीडवाना प्रांत प्रमुख जयसिंह सागु ने किया। कार्यक्रम में राव कूंपा जी के तीन गांव - सागु बड़ी, चौमूं व बोडिंद कलां के वंशजों ने भाग लिया।

राजलदेसर (चूरू) में सामूहिक शाखा व भ्रमण कार्यक्रम

शेखावाटी संभाग के चूरू प्रान्त में रतनगढ़ क्षेत्र में लगने वाली श्री क्षत्रिय युवक संघ की विभिन्न शाखाओ का भ्रमण व सामूहिक शाखा का कार्यक्रम 8 दिसंबर को रखा गया जिसमें स्वयंसेवकों ने राजलदेसर में बंडवा रोड़ पर स्थित आपणो बाबो धाम का भ्रमण किया। शेखावाटी संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना के संचालन में संपन्न इस कार्यक्रम में चूरू प्रान्त प्रमुख किशन सिंह गौरिसर, किशोर सिंह नुवां, महेंद्र सिंह नुवां, जयदीप सिंह नुवां, प्रदीप सिंह लूणासर, मनेश सिंह बंडवा सहित विभिन्न शाखाओं से अनेकों स्वयंसेवक उपस्थित रहे। सुल्ताना ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा स्थापित श्री क्षत्रिय युवक संघ पिछले 78 वर्षों से युवाओं में संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है। इसके लिए संघ समय-समय पर चार दिवसीय, सात दिवसीय और ग्यारह दिवसीय शिविरों का आयोजन करता है जहाँ पर अभ्यास के द्वारा सद्गुणों का विकास किया जाता है। ऐसा ही एक सात दिवसीय शिविर 25 से 31 दिसम्बर 2024 तक रायसर (बीकानेर) में आयोजित होने जा रहा है जिसमें हम सभी को सहभागी बनना है। शाखा के पश्चात अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सायला में क्षत्रिय कर्मचारी स्नेहमिलन संपन्न

जालौर जिले के सायला कस्बे में स्थित दहियावटी राजपूत छात्रावास में सायला उपखंड क्षेत्र का क्षत्रिय कर्मचारी स्नेहमिलन 1 दिसंबर को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कर्मचारी के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज के लिए उपयोगी बनने, आपसी संपर्क एवं संवाद को बढ़ाने, सामाजिक एवं सहयोगी भाव को प्रोत्साहित करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। सभी सहभागियों ने चर्चा में भाग लेते हुए अपने विचार प्रकट किए और इस प्रकार के आयोजन निरंतर किए जाने की आवश्यकता जताई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के भीनमाल प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सांगाना ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के बारे में बताया और कहा कि धरातल पर सक्रिय होकर कार्य करने से ही समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है। इसलिए शाखा एवं शिविर के माध्यम से हमें संघ से जुड़ना है एवं अन्य समाजबंधुओ को भी जोड़ना है। कार्यक्रम में सायला उपखंड क्षेत्र में विभिन्न विभागों में कार्यरत 55 राजपूत कर्मचारी शामिल हुए।

अधिकतम संख्या दिवस के रूप में मनाया शाखा का स्थापना दिवस

श्री क्षत्रिय युवक संघ के मुंबई शहर मंडल की तनेराज शाखा के 9 वर्ष पूर्ण होने पर अधिकतम संख्या दिवस के रूप में स्थापना दिवस मनाया गया। 1 दिसंबर को गिरगांव चौपाटी पर आयोजित कार्यक्रम में संभाग प्रमुख रणजीत सिंह आलासन ने 10 जनवरी से हैदराबाद में माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में लगने वाले माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी और कहा कि संघ को और अधिक गहराई से जानने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेना आवश्यक है। इसलिए हैदराबाद शिविर में मुंबई से अधिक से अधिक स्वयंसेवक शामिल हों ऐसा हमें प्रयास करना है। कार्यक्रम में आगामी 22 दिसंबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्थापना दिवस समारोह शिवाजी शाखा द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर में मनाना भी निश्चित हुआ। प्रांत प्रमुख देवी सिंह झलोड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया और मुंबई में रहने वाले समाजबंधुओ से संपर्क करके उन्हें अधिक से अधिक संख्या में शाखाओं में आने के लिए प्रेरित करने की बात कही। कार्यक्रम में 120 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

विवाह के अवसर पर शिक्षण संस्थाओं को भेंट की राशि

6 दिसंबर को जालौर जिले के पचानवा गांव के निवासी नरपत सिंह बालोत के पुत्र राजवीर सिंह एवं नरसाना निवासी दलपत सिंह बालावत की पुत्री जिन्नु कंवर के विवाह के शुभ अवसर पर सकारात्मक पहल करते हुए वर और वधू पक्ष की ओर से श्री वीरमदेव क्षत्रिय शिक्षण संस्थान जालोर को बालिका छात्रावास निर्माण हेतु पांच लाख रुपए भेंट किए गए। इस अवसर पर श्री वीरमदेव क्षत्रिय शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष रतन सिंह राठोड़ तुरा, प्रवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राम सिंह चारणीम, सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष भंवर सिंह थलुण्डा, क्षत्रिय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह बालोत, विक्रम सिंह रातडी एवं राजवीर सिंह नोसरा आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार 28 नवंबर को बालोतरा क्षेत्र के कालेवा गांव के निवासी मेहराज सिंह की पुत्री यशवंती महेचा एवं भदड़िया निवासी विजय सिंह के पुत्र केसर सिंह के विवाह के अवसर पर भी वर पक्ष ने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वधू पक्ष द्वारा दी गई टीके की पांच लाख की राशि को लौटा दी जिसमें से एक लाख रुपए श्री जवाहर राजपूत छात्रावास पाटोदी को भेंट किए गए।

सूर्यांशी शेखावत ने टीम के साथ जीता स्वर्णपदक

चूरू जिले के सरदारशहर की निवासी सूर्यांशी शेखावत पुत्री जितेन्द्र सिंह शेखावत ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा आयोजित नेशनल टेनिस गर्ल्स टूर्नामेंट (अंडर - 17) में 8 दिसंबर को राजस्थान टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। मेयो कॉलेज अजमेर में आयोजित इस प्रतियोगिता में पूरे देश की 26 टीम के 122 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। राजस्थान की प्रथम वरीयता की टेनिस खिलाड़ी सूर्यांशी का चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी हुआ है।

पिथोरा जी के जन्मोत्सव के अवसर पर यज्ञ का आयोजन

सिंध क्षेत्र के लोकदेवता श्री पिथोरा जी के जन्मोत्सव के अवसर पर मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी को जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत के मूलाना गांव में स्थित पिथोरा जी मन्दिर में श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख उमेद सिंह बडोड़ा गांव के निर्देशन में सामूहिक हवन किया गया। इस दौरान आगामी 22 दिसंबर को मूलाना के शाखा मैदान में आयोजित होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के 79वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वरूप सिंह, कमल सिंह, गिरधर सिंह, चन्दन सिंह, जगमाल सिंह, मोहन सिंह, धांखल सिंह आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

बीकानेर में एक दिवसीय शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

बीकानेर संभाग की एक दिवसीय शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला 8 दिसंबर को बीकानेर शहर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में श्री क्षत्रिय युवक संघ में शाखा का महत्व, शाखा को रोचक बनाने के उपाय, उत्तरदायित्वाधीन सहयोगी के कर्तव्य, प्रतिवेदन तैयार करने आदि विषयों पर अलग-अलग सत्रों में चर्चा की गई। कार्यशाला का संचालन उगमसिंह गोकुल ने किया। बीकानेर संभाग की विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख, शिक्षण प्रमुख व विस्तार प्रमुखों ने इस कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त किया। बीकानेर संभाग प्रमुख रेवन्त सिंह जाखासर, प्रांत प्रमुख राजेंद्रसिह आलसर, कार्यालय प्रभारी बलवंत सिंह महनसर, शक्ति सिंह आशापुरा, संदीप सिंह पुन्दलसर सहित बीकानेर शहर के स्वयंसेवकों ने भी कार्यशाला में भाग लिया।

(पृष्ठ एक का शेष)

खींवसर...

उन्होंने कहा कि करमसोत शाखा के राठौड़ वंश की जोधपुर राज्य के इतिहास में भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए इस पुस्तक का प्रकाशन हम सभी के लिए गर्व का विषय है। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि शोधपूर्ण इतिहास के संकलन के लिए लेखक के प्रयास सराहनीय हैं। कई वर्षों की मेहनत से उन्होंने ये पुस्तक तैयार की है, जिसका हम सभी को अध्ययन करना चाहिए। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि अपने महान और वीर पूर्वजों को स्मरण करना हमारा कर्तव्य है। जिन क्षत्रिय वीरों ने हजारों वर्षों से इस देश की रक्षा के लिए बलिदान का मार्ग अपनाया है, उन्हें अवश्य याद किया जाना चाहिए। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज सदैव सभी के संरक्षक एवं पालक की भूमिका निभाते आया है। उसी के अनुरूप वर्तमान में भी हमें सबको साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमारी, पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी, राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य कर्नल केसरी सिंह राठौड़, राजकोट के मांधाता सिंह, दैवत सिंह सिरोही, कृष्ण चंद्रपाल सिंह करौली, जितेंद्र सिंह जैसलमेर, भवानी सिंह कालवी, अभिमन्यु सिंह राजवी, धनंजय सिंह खींवसर, मृगेशा कुमारी सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मुंजासर...

साथ ही राजकीय सेवा में चयनित होने वाली और शिक्षा व खेल-कूद के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाली समाज की 200 से अधिक प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। विजय सिंह उदट, गिरधर सिंह जालोडा, माधु सिंह उदट, देवेंद्र सिंह आमला, शक्ति सिंह, लोचन सिंह व ओम करण सिंह मुंजासर ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। महेंद्र सिंह उम्मेदनगर, अभय सिंह लुणावास, भवानी सिंह खुड़ियाला, युद्धवीर सिंह हाड़ला सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के जोधपुर संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में शामिल हुए।

मोरना (उत्तरप्रदेश) में क्षत्रिय धर्म कार्यशाला का आयोजनः 24 नवंबर को महाराज मुकुट सिंह शेखावत संस्थान के मोरना (बिजनौर, उत्तर प्रदेश) स्थित मुख्यालय में क्षत्रिय धर्म कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान अध्यक्ष जयपाल सिंह नाग लक्ष और सचिव डॉ. कमलेश चौहान के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यशाला में संस्थान की विश्वामित्र योजना के अंतर्गत सम्बद्ध विद्यालय के अध्यापकों और संस्थान सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला में शामिल हुए 45 शिक्षक बंधुओं और सदस्यों ने क्षत्रिय धर्म की मूलभूत मान्यताएं, कुल, इतिहास, गोत्राचार आदि बिन्दुओं पर चर्चा की एवं युवाओं में शिक्षा के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को लेकर जागृति उत्पन्न करने की आवश्यकता जताई। कार्यशाला में महाराज मुकट सिंह शेखावत पब्लिक स्कूल मौरना, महाराजा राम सिंह राजावत पब्लिक स्कूल सरकडा, महाराज गजानन देव सिंह देवड़ा पब्लिक स्कूल गौहावर, महाराज त्रिलोकचंद बैस शिक्षा मंदिर धुंधली, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय सरकथल के अध्यापकों ने भाग लिया।

(पृष्ठ दो का शेष)

संस्थापक...

पूज्य श्री तनसिंह जी ने भी स्वयं कर्मशील होकर हमें श्री क्षत्रिय युवक रूपी मार्ग प्रदान किया है जिस पर चल कर हम अपने जीवन को सार्थक कर सकते हैं। संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डीडवाना के राजपूत सभा भवन में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें जयसिंह सागु ने पूज्य श्री के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को रूघवीर सिंह चौमूं, ईश्वर सिंह सांवराद ने भी संबोधित किया। राजपूत छात्रावास के विद्यार्थियों सहित स्थानीय समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। नागौर संभाग में वीर दुगार्दास राठौड़ समाज भवन पीड़वा में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। भींव सिंह पीड़वा और कुंवरपाल सिंह बोची ने पूज्य श्री के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। नागौर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में एवं पांचला सिद्धा (खींवसर) में भी पूज्य श्री को श्रद्धांजलि दी गई।

जालौर संभाग में भी विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। पाली प्रांत में वीरबाला राजपूत छात्रावास खिमेल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोडता ने कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी जैसे महापुरुष अपने जीवन से आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित करते हैं। उनकी स्मृति से हम सभी को भी उस आदर्श तक पहुंचने के लिए प्रेरणा मिलती है। इसलिए जब भी अवसर मिले, हमें ऐसे महापुरुषों को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते रहना चाहिए। अजय पाल सिंह गुड़ापृथ्वीराज ने पूज्य श्री के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। छात्रावास की बालिकाओं ने पूज्य श्री तनसिंह जी की को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अमर सिंह खिवांदी, हॉस्टल वार्डन ममता कँवर चम्पावत, जनक कँवर बांकली , दिव्या कँवर छापोर आदि उपस्थित रहे। दहियावटी राजपूत छात्रावास सायला, धींगाणा (पाली), वाडा-भावजी (जसवंतपुरा), राव बल्लू जी छात्रावास सांचौर, सेवाड़ा, सारंगवास (सोजत), सुरावा, मेडक कला व फालना में भी पूज्य श्री तनसिंह जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बीकानेर संभाग के श्रीडूंगरगढ़ प्रांत के पुन्दलसर गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। बांसवाड़ा जिले के काकाजी का गड़ा में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें हनुमन्त सिंह सज्जन सिंह का गड़ा द्वारा पूज्य श्री का परिचय दिया गया। लाखन सिंह लाम्बापारडा द्वारा संघ परिचय व आगामी शिविरों की जानकारी दी गई। उपस्थित सभी बंधुओं द्वारा पूज्य श्री को पुष्पांजलि अर्पित की गई। दुर्गा महिला विकास संस्थान नाथावतपुरा, सीकर के बालिका छात्रावास में छात्राओं द्वारा सायंकालीन शाखा में पूज्य श्री तन सिंह जी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें छात्राओं ने पूज्य श्री को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वीर दुगार्दास राठौड़ शाखा केकड़ी द्वारा स्थानीय श्री जगदंबा छात्रावास में कार्यक्रम रखा गया जिसमें अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया के माध्यम से भी केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, सहित अनेकों जनप्रतिनिधियों व गणमान्य व्यक्तियों ने पूज्य तनसिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अनन्या राठौड़ का राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में चयन

केकड़ी जिले के सदारी गांव की निवासी अनन्या राठौड़ पुत्री चैन सिंह का चयन भोपाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। एयर राइफल इवेंट 2024 में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उनका चयन किया गया है।

मुरोली में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के चित्तौड़गढ़ प्रांत में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ के आयोजन के क्रम में 1 दिसंबर को राशमी तहसील के मुरोली गांव में राजेंद्र सिंह मुरोली के आवास पर कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक बालू सिंह जगपुरा भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

बोन्द कलां (भिवानी) में स्वधर्म पथ मंथन कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा के भिवानी जिले के बोन्द कलां ग्राम में 08 दिसंबर को हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रहे ठा. छतरसिंह चौहान की स्मृति में 'स्वधर्म पथ मंथन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। टीम इतिहास शुद्धिकरण अभियान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कृष्णवर्धन सिंह गुढागोड़जी ने क्षात्र धर्म को परिभाषित करते हुए उसकी प्राचीनता व महानता तथा वर्तमान काल में क्षात्रधर्म की आवश्यकता के बारे में बताया। भगवान कृष्ण व अर्जुन के संवाद को एक क्षत्रिय को दुसरे क्षत्रिय द्वारा दिया ज्ञान बताया और कहा कि अपने मूलधर्म क्षात्रधर्म पर चलकर ही हमारी कौम फिर से महानता के पथ पर अग्रसर हो सकती है। परमजीतसिंह मड्डू व अजितेंद्र सिंह ने ठा.छतरसिंह चौहान के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान शिक्षाविद् थे जो राजनीति में भी शिखर पर पहुंचे। कार्यक्रम को अतरलाल, मनोहरसिंह जालमसिंहकाबास, विजयसिंह शेखावत, राकेशसिंह बसई, धीरजसिंह व पृथ्वीराज सिंह भान्डेडा ने भी संबोधित किया। ऋषिराजसिंह परमार व प्रहलादसिंह गुढागोड़जी सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संचालन शिरिषसिंह कोलवा ने किया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थित रही।

कंवराज सिंह रानीगांव को मातृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक कंवराज सिंह रानीगांव की माताजी **श्रीमती सिरेकंवर चौहान** का देहावसान 25 नवंबर 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्रीमती सिरेकंवर

नाथू सिंह बरड़वा का देहावसान

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **नाथू सिंह जी बरड़वा** पुत्र श्री भंवर सिंह का देहावसान 10 दिसंबर 2024 को हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुल 11 शिविरों में प्रशिक्षण लिया जिनमें दो उच्च प्रशिक्षण शिविर, दो माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं सात प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। सितंबर 1971 में डीडवाना में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

नाथू सिंह जी बरड़वा

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वंयसेवक

भवानी सिंह जी मुंगेरिया (पुलिस उपाधीक्षक पोकरण) एवं

मूल सिंह जी बेतिणा (वृत्त निरीक्षक)

को पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाओं हेतु आईजी जोधपुर (Range) द्वारा सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु :

गणपतसिंह अवाय	**भोजराज सिंह** तेजमालता	**रणजीत सिंह** चौक	**बाबूसिंह** सोनू	**महिपाल सिंह** तेजमालता
शैतान सिंह झिनझिनयाली	**प्रताप सिंह** बडोडागांव	**नरपत सिंह** लूणा खुर्द	**चितरंजनसिंह** आलसर	**नरेंद्रसिंह** तेजमालता
नरपतसिंह राजगढ़	**रामसिंह** संग्रामसर	**खंगारसिंह** झलोड़ा	**देवीसिंह** झलोड़ा	**शंकरसिह** राजमथाई
सांवलसिंह भैंसड़ा	**तारेंद्रसिंह** झिनझिनयाली	**स्वरूपसिंह** नेड़ान	**अमरसिंह** रामदेवरा	**अशोकसिंह** भीखसर

मैराजसिंह सांकड़ा, एवं समस्त स्वयंसेवक संभाग जैसलमेर

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org